

सिंह १७

क. न. १०२

रत्न

कश्मीर-संस्कृत-नाम-क-हाउ-देव



६९८/खो. ३५३

(1)

श्रीगणेशाय नमः शिवाय वरदः ॐ महाविद्यायै  
जगन्मात्रे महालक्ष्मणे शिवप्रियायै विलुमाया  
यैः शुभायैः शान्तायैः सिद्धायैः समायैः कांक्षायैः प्रका  
यैः ज्योत्स्नायैः पार्वत्यायैः सर्वमंगलायैः हिगुलायै  
चंडिकायैः दांतायैः यंत्रायैः लक्ष्मणे हरिप्रियायैः  
त्रिपुरायैः नरिन्यैः नदायैः सुनंदायैः सुरवंदिता  
यैः यज्ञविद्यायैः महामायायैः वेदमात्रे सुधायैः

(2)

घट्येः प्रियेः प्रियायेः प्रसिद्धायेः मृडोयेः विंध्य  
वासिन्यैः सिद्धविद्यायैः महारात्र्यैः चर्यैः ना  
रदसेवितायैः पुत्रहृत्प्रियायैः कांत्यैः कामिन्यैः १  
पद्मलोचनायैः प्रह्लादिन्यैः महामात्रेः दुर्गायैः दु  
र्गातिर्नासिन्यैः ज्यालामुर्यैः सुगोत्रायैः ज्योति  
षेः ऊसुदहासिन्यैः दुर्गमायैः दुर्लभायैः विद्यायैः  
स्वर्गायैः सुरवासिन्यैः अपर्णायैः शांबर्यैः मायायैः

१

१

(2A)

मृदुहासिन्ये. नारायणे. महानिद्रायै. योग  
निद्रायै. प्रसावत्यै. प्रज्ञायै. परमिताप्रज्ञायै.  
तारायै. मधुमत्यै. मधे. क्षिरार्णवसुतायै. हा  
ल्यै. बालिकायै. सिंहागामिन्यै. अकारायै.  
वसुधाकारायै. चेतनायै. कोपनायै. क्षित्यै. अ  
र्धविंबधरायै. धारायै. विश्वमातृत्रे. कलावत्यै.  
पद्मावत्यै. सुवस्त्रायै. प्रबुद्धायै. सरस्यत्यै. कुं

(3)

डांसनायै. जगद्धत्रे. बुद्धिमात्रे. जिनेश्वर्यै. जिन  
मात्रे. जितेंद्रियै. शारदायै. हंसवहनायै. राजवल्ल  
क्ष्मै. वृषट्कारायै. सुधाकारायै. सुधात्मिका.  
१००॥ राजनित्यै. त्रयीवर्तायै. इन्द्रनित्यै. क्रिया  
वत्यै. सद्भक्त्यै. तारित्यै. श्रद्धायै. सद्भक्त्यै. सत्पराणा म  
यै. सिद्धवै. मंदाकिन्यै. गङ्गायै. यमुनायै. सरस्व  
त्यै. गोदावर्यै. विपासीयै. कावेर्यै. शतद्रुकायै.

२॥

॥३॥

(3A)

शरधै चंद्रभागायै कौशिक्यै गण्डक्यै शिवायै नर्मदा  
यै कर्मनाशायै चर्मण्यै वेदिकायै वेत्रवत्यै वित  
स्तायै वरदायै वरवाहनायै सत्यायै पतिव्रतायै सा  
ध्वै सुचक्षुषायै कुंडवासिन्यै एकचक्षुषायै सहस्रा  
क्ष्यै सुश्राल्यै सगमांढिन्यै सेनायै अष्ट्यै पताकायै  
सम्बूहायै पुंड्रकाक्षिण्यै पताकिन्यै दयायै रंभायै  
विप्रेयै पंचमप्रियायै पुरायै परकलायै कांतायै त्रि  
शक्त्यै मोक्षदायिन्यै ऐश्वर्यै माहेश्वर्यै ब्रह्मै कौमार्यै

(4)

कुलवासिन्यै. रघोयै. प्रगवत्यै. येनवे. कामधेनवे. कृ  
पावते. वज्रायुधायै. वज्रदासायै. चंड्यै. चंडपराक्रमा  
यै. गौर्यै. सुवर्णवर्णायै. स्थितिसंहारकारिण्यै. एका  
यै. अनेकायै. महज्यायै. शतबाहवे. महामुजायै. सुं  
जंगसुषणायै. सुषोयै. सुदृक्त्रं. मवासिन्यै. षड्व  
क्सेदिन्यै. शामायै. कायस्त्रायै. कायवर्जितायै. सु  
स्मितायै. सुमुर्यै. क्षमायै. मूलप्रकृत्यै. इन्द्र्यै. अ

3

3

(4A)

जाये १० बहुवर्णायै • पुरुषार्थप्रवर्तिन्यै • रक्ता  
यै • नीलायै • सितायै • श्यामायै • दुष्कायै • पी  
तायै • कर्बुरायै • सुधायै २० • तृष्णायै • वैजसा  
यै • रङ्गायै • तरुण्यै ४ करुणातयायै ५ कलायै •  
काष्ठायै • मुहूर्तायै • निमिषायै • कालरूपिण्यै •  
सुकर्णायै • रसनायै • नासायै • चक्षुषायै • स्पर्  
सस्पर्शायै • मनोगत्यै • मृगनाभ्यै • मृगाक्ष्यै • कपूरायै  
अमोदधारिण्यै • पद्मयोन्यै • सुकेशायै • सुलिंगायै •



(5)

॥४॥

भगारपिल्ले. योनिमुद्रायै. रवेर्वैर्यै. रवगगामिन्यै. म  
घुम्ब्रियै. माधुवल्लेयै. मयुवतायै. मदीदृतायै. मांताग्ये  
शुकहस्तायै. पुष्यबाणायै. रसुचापिन्यै. रंकांषरघ  
रायै. अक्ष्यै. रक्तपुष्पवतंसिन्यै. सुसंभरधरायै. धी  
रायै. महद्येतायै. वसुप्रियायै. सुवेण्ये. पद्महस्तायै.  
मूलाहारविभुषणायै. कर्पूरामोदिनीच्यासायै. प  
द्मन्यै. पद्मवल्लभायै. रवउद्गिन्यै. चक्रहस्तायै. श्र  
शङ्ख्यै. परीघायुधायै. चापिन्यै. पाशाहस्तायै. त्रि

४॥

(5A)

विशुलवरधारिण्यै. सुबाणायै. शक्तिहस्तायै.  
मयूरवाहनायै. वरायुधधरायै. वीरपानमसोक्त्या  
यै. वसुधायै. वसुधाकारायै. जयायै. विजयायै.  
जयंत्यै. सुस्तन्यै. शालनासिन्यै. अंतर्वह्ने. देवशक्त्यै  
वरदायै. वरधारिण्यै. शीतलायै. सुशिलायै. बाल  
गृहविनाशन्यै. कुर्मोयै. सुपुण्यायै. कामारव्यायै.  
कामवेदितायै. जालंधरधरायै. अनेतायै. काम  
रूपनिवासिन्यै. कामविजवतिसत्यायै. सत्य

(6)

५

धर्मपरायणायै. सुक्ष्ममार्गस्थितायै. सुक्ष्मायै.  
सुक्ष्मबुद्धीप्रबोधिने. षट्कोणायै. त्रिकोणायै. त्रि  
नेत्रायै. त्रिपुरसुदर्यै. वृषप्रियायै. वृषासुतयै ॥३००॥  
महिषासुरघातिनि ॥ सुसदपहरायै. दीप्त्यायै. दि  
सपावकसत्रिभौ. कपालभुषणायै. काल्यै. कपा  
लमालधारिण्यै. कपालकुंडलायै. दीर्घायै.  
शिवदूत्यै. घनधनै. सिद्धीवदायै. बुद्धिदायै. नि  
त्यायै. सत्यमार्गप्रबोधिने. कंबुगिवायै. वसु

५

(6A)

मूले. उत्रध्या. छायाकृतालयायै. कुंडलिन्यै.  
जगद्गर्भायै. सुजंगाकारशायिन्यै. प्राल्लसत्प  
त्रायै. नामिनालमृणालिन्यै. मूलाधारिण्यै.  
निराधारायै. निराश्रयायै. बल्यै. तनुसमुच्छासे  
नायै. षड्भस्वास्याहु दुलालुपायै. श्वासोश्वास  
गत्यै. जीवायै. ग्राहिण्यै. बहिसंश्रयायै. तपस्वि  
न्यै. तपःसिद्ध्यै. तापस्यै. तपप्रियायै. तपोनि  
ष्ठायै. तपोवृत्तायै. तपसःसिद्धिदायिन्यै. स

(7)

॥६॥

सत्प धातुमयीमूर्त्ये. सत्पघा. वंतराश्रीयाये.  
दहपुंषे. मनरक्तये. रक्तपुंषे. मदाहताये.  
औषधे. वैद्यमात्राये. द्रव्यशक्तये. प्रभाविन्ये.  
वैद्यविधायै. चिकित्साये. सुपथ्याये. रोगना  
शिन्ये. मृगपायै. मृगमासादायै. मृगहृचा  
यै. मृगलेखनायै. वायुरायै. बंधरुपायै. व  
घोद्यतायै. बंधै. बंदि सक्ताहारायै. काराबंधवि  
माचिन्ये. अखंलायै. कलाहायै. ॥७॥

६॥

(2A)

सं

विद्युतायै-दृढबंधविमोचनायै-अविकारायै-  
बालिक्रायै-अंबायै-मरुवायै-सायुजनार्चि-  
तायै-कौल्यकै-कुलविधायै-सुकुलायै-कुल-  
उजितायै-कालचक्रमष्टांतायै-विश्र-  
मायै-स्त्रमनाशिनै-वाल्पाल्यै-मेघमालायै-  
सुवृष्ट्यै-सस्यवर्द्धिन्यै-उकारायै-इकारायै-  
उकारायै-ओकाररूपिण्यै-ह्रिक्राविजसूपायै-

(४)

७११

कुंकारवरधारिण्यै. सर्वाक्षरमयिशाक्त्यै. अक्षरा  
यै. वर्णमालिन्यै. सिंदूरालयवर्णायै. सिंदूरति  
कप्रियायै. वश्यायै. ००. वस्यविजायै. लौकवश्य  
विक्राविन्यै. नृपवश्यायै. नृपशेष्यायै. नृपवश्य  
कथ्यै. प्रियायै. महिष्यै. नृपमान्यै. नृपज्ञायै. नृप  
नारिण्यै. नृपधर्ममयापिचयायै. धनधान्यविवर्द्धयै.  
चतुर्वर्णमयिशाक्त्यै. चतुर्वर्णपुजितायै. सर्वधर्म

७५

(81A)

मयिसिधौ. चतुराश्रमवासिने. ब्राह्मणे. क्षेत्रिया  
यै. वैश्यायै. शूद्रायै. अवर्णवर्जायै. वेदमार्गारतायै.  
यज्ञायै. वेदविश्वविद्यायै. अस्त्रशास्त्रमयिवि  
द्यायै. वरशास्त्रास्त्रधारिण्यै. सुमेधायै. सत्यमेधा  
यै. ऋत्विजायै. अपराजितायै. गायत्र्यै. सावि  
त्र्यै. त्रिपदाश्रयायै. त्रिसंघायै. त्रिपद्यै. धात्र्यै. सु  
पथ्यायै. सामगायनायै. पांचाल्यै. बालिकायै.  
बालायै. बालक्रीडायै. सुनातन्यै. गर्भाधारिण्यै.



(9)

॥८॥

श्रुच्योये. गर्भाशयनिवासिन्यै. सुरारिघातिन्यै. कृत्या  
र्यै. पूतनायै. तिलोत्तमायै. लज्जायै. सुरस्यै. नंदा  
यै. स्वान्यै. पापनाशिन्यै. पद्मंवरधरायै. गीतै. सु  
गित्यै. ज्ञानगोचरायै. सत्यस्वरमयित्त्यै. षडुमध्य  
मथैवतायै. मूर्धनायै. ग्रामसंस्थानायै. स्वस्था  
यै. सुस्थानवासिन्यै. अडरदृहसनिप्रेतायै. प्रेता  
न सयै. निवात्रान्यै. गीतनृत्यप्रियायै. कामायै. लु  
ष्टिदायै. पुष्टिदायै. अक्षय्यै. निष्ठायै. सत्यप्रि

८॥

(9A)

क

प्रियायै प्रज्ञायै लोकेत्रायै सुशोसनायै सविषायै  
ज्यालिन्यै ज्यालायै विषमोहर्तनाशिन्यै विषार्यै  
नागदमन्यै कुकुलयै अनुराद्रवायै शीतलीतह  
रायै रक्षायै सुतावेदानिवाशन्यै रक्षोघ्नै राक्षस्यै  
आत्र्यै दिग्घनिक्यै दिवागत्यै चंद्रिकायै चंद्रका  
त्यै सुर्यकात्यै निशाचर्यै ०० जाकिन्यै शाकिन्यै  
शिक्षायै हाकिन्यै चक्रवासिन्यै सितासितप्रियायै  
रथागायै सकलायै चतुर्देवतायै गुरुरूपधरायै

(10)

गुर्व्ये. मृत्युमोर्त्ये. विशारदोर्त्ये. महामोर्त्ये. विनिद्रोर्त्ये. तंद्र  
ये. मृत्युविनाशिन्ये. चंद्रमंडलसंक्राशायै. चंद्रमंडल  
वतिन्ये. आर्णीमादिगुणोपेतायै. सुस्युहायै. काम  
रुषिल्ये. आष्टसिद्धिप्रदायै. प्रोग्ये. दुष्टदानवघाति  
न्ये. अनादिनिधनायै. पुष्ट्ये. चतुर्ब्रह्मे. चतुर्मुख्ये.  
चतुःसमुद्रशानायै. चतुर्वर्गफलप्रदायै. कारापुष्य  
प्रतिकारयायै. शरकुमुदलेचनायै. स्रुतायै. सख्या  
यै. सविष्यायै. शैलजायै. शैलवासिन्ये. वाममार्ग

९

घ

(10A)

रत्नायै. वामायै. सिक्कामांगवासिन्यै. कार्मचारप्रिया  
यै. तुष्यै. लोपसुद्राप्रबोधिन्यै. सुतसायै. श्रुतसाव  
विनाशन्यै. मंगलायै. सुशिलायै. परमार्गप्रबोधिन्यै.  
दक्षिणायै. दक्षिणामूर्त्यै. सुदक्षिणायै. हरिप्रियायै.  
योगिन्यै. युगयुक्त्यै. योगागघ्याशालिन्यै. योगप  
दृशायै. मुक्त्यै. मुक्तानापरमांगत्यै. नारसिंह्यै. सुज  
म्नायै. त्रिवर्गफलप्रदायिन्यै. धर्मदायै. धनदायै. कामदा  
यै. मोक्षदायै. धृत्यै. साक्षिण्यै. क्षणदायै. दसायै. द



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com